talk global act local

राजस्थान पत्रिका
मंगलवार 18 सितम्बर 2012

[एजुकेशन इनोवेशन] कॉलेज शिक्षा निदेशालय की सरकारी कॉलेजों की लाइब्रेरीज को ऑनलाइन करने की तैयारी

एक क्लिक पर कॉलेज लाइब्रेरी

अविनाश बाकोलिया
justreporter.jaipur@patrika.com

जयपुर. सरकारी कॉलेजों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है। किताबों की जानकारी के लिए अब स्टूडेंट्स को कॉलेज की लाइब्रेरी के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। बस, कम्प्यूटर पर एक क्लिक से मिलेगी किताब की पूरी जानकारी। प्रदेश के सभी 144 सरकारी कॉलेजों के पुस्तकालय भी अब प्राइवेट कॉलेजों की तरह हाईटैक होंगे। कॉलेज शिक्षा निदेशालय ने राजकीय कॉलेजों की लाइब्रेरीज को कम्प्यूटराइज्ड और ऑनलाइन करने की योजना तैयार की है। पहले चरण में 40 पीजी कॉलेजों का चयन किया गया है। इसके लिए निदेशालय ने कॉलेज प्राचार्यों को आदेश जारी कर दिए हैं। इसके तहत सरकारी कॉलेजों को लाइब्रेरी कम्प्यूटराइजेशन से जुड़ी सूचनाएं निदेशालय को भिजवानी है। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर लाइब्रेरी को हाईटैक्नोलॉजी से लैस किया जा सकेगा।

कम्प्यूटराइजेशन से सभी कॉलेजों की लाइब्रेरीज को नेशनल इन्फॉर्मेटिक सेंटर (एनआईसी) के वेब ओपेक ऑनलाइन पोर्टल के रूप में डवलप किया जाएगा।

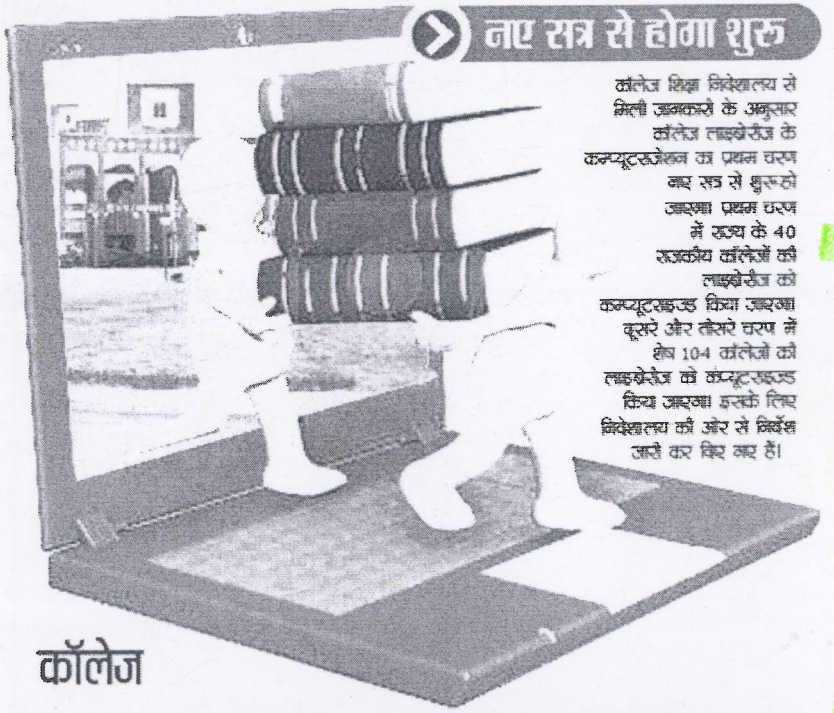

नए सत्र से होगा शुरू

कॉलेज शिक्षा निदेशालय से मिली जानकारी के अनुसार कॉलेज लाइब्रेरीज के कम्प्यूटराइजेशन का प्रथम चरण नए सत्र से शुरू हो जाएगा। प्रथम चरण में राज्य के 40 राजकीय कॉलेजों की लाइब्रेरीज को कम्प्यूटराइज्ड किया जाएगा। दूसरे और तीसरे चरण में शेष 104 कॉलेजों की लाइब्रेरीज को कम्प्यूटराइज्ड किया जाएगा। इसके लिए निदेशालय की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

कॉलेज प्रशासन दे सकता है सुझाव

कॉलेज प्रशासन को लाइब्रेरियन का नाम, उसका मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी, लाइब्रेरी के स्टाफ की सूची, पद और योग्यता, कम्प्यूटर ज्ञान रखने वाले कर्मचारी का नाम और फोन नंबर, पुस्तकालय भवन व कक्ष की व्यवस्था, कम्प्यूटराइजेशन संबंधित मौजूदा स्थिति, कुल पुस्तकों की संख्या, उपलब्ध कम्प्यूटरों की संख्या, सॉफ्टवेयर, यूपीएस, एंटी वायरस, बारकोड प्रिंटर, बार कोड स्कैनर, स्टेशनरी लेजर प्रिंटर और पुस्तकालय में ब्रॉडबैंड इंटरनेट सुविधा आदि की जानकारी देनी है। साथ ही कॉलेज प्रशासन लाइब्रेरी कम्प्यूटराइजेशन के लिए सुझाव भी दे सकता है।

सॉफ्टवेयर से होगा कम्प्यूटराइजेशन

राज्य के सभी 144 सरकारी कॉलेजों की लाइब्रेरी का कम्प्यूटराइजेशन चरणबद्ध तरीके से होगा। यह काम एनआईसी निर्मित ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के जरिए किया जाएगा।

सभी किताबों की होगी बारकोडिंग

जानकारी के अनुसार कॉलेज लाइब्रेरी की सभी किताबों की बारकोडिंग की जाएगी। बारकोडिंग में किताब की संक्षिप्त जानकारी, जैसे बुक टाइटल, ऑथर का नाम, सब्जेक्ट, पब्लिशर, ईयर ऑफ पब्लिकेशन आदि होंगी। सॉफ्टवेयर के इंस्टॉलेशन और मैंटिनेंस के लिए कॉलेज लाइब्रेरियन को ट्रेनिंग दी जाएगी।

ई-ग्रंथालय ही क्यों?

एनआईसी यह सॉफ्टवेयर सभी पब्लिक लाइब्रेरी के लिए मुफ्त में उपलब्ध करवाता है। इस सॉफ्टवेयर के अपग्रेड वर्जन भी मुफ्त में मिलते हैं। यही वजह है कि निदेशालय ने सभी गवर्नमेंट कॉलेजों को इस सॉफ्टवेयर से जोड़ने का निर्णय लिया है।

पहले चरण में

राजकीय कॉलेज- कोटा, झालावाड़, पाली, टोंक, धौलपुर, श्रीगंगानगर, सिरोही, अजमेर, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चूरू, चिमनपुरा, जैसलमेर, झुंझुनूं, कालाडेरा (जयपुर), कोटपूतली, राजसमंद, सीकर, नागौर, जालौर, आर.आर. कॉलेज अलवर, गंगापुरसिटी, खुरवाड़ा, बारां, चित्तौड़गढ़, दौसा के अलावा राजकीय महिला कॉलेज- अजमेर, अलवर, बारां, भरतपुर, श्रीगंगानगर, झालावाड़, कोटा, जैसलमेर, शाहपुरा (जयपुर), सिरोही और उदयपुर को शामिल किया गया है।

अगले सत्र तक पहले चरण में 40 कॉलेजों में लाइब्रेरीज के कम्प्यूटराइजेशन का काम पूरा हो जाएगा। स्टूडेंट्स और फैकल्टीज घर बैठे लाइब्रेरीज को एक्सेस कर सकेंगे। लाइब्रेरीज में किस सब्जेक्ट की कौन-सी किताबें उपलब्ध है, इसकी जानकारी घर बैठे मिल सकेगी।

सुधीर कुमार
आयुक्त, कॉलेज शिक्षा निदेशालय